इच्छुक उम्मीदवार दिये गये लिंक के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं → https://forms.gle/AH6iKdZoc3SfpqK3A

आईवीआरआई के बारे मे

1889 में स्थापित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान पशुओ के लिए एक प्रमुख शोध संस्थान हैं। वर्तमान में इस संस्थान को पशुचिकित्सा विज्ञान में एक समतुल्य विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त है। यह संस्थान, पशुचिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास एवं कौशल विकास में इस शताब्दी की चुनौतियों के लिए अग्रणी भूमिका अदा कर रहा है।

अधिदेश

- उत्पादकता वृद्वि हेतु पशु स्वास्थ्य में सुधार के लिए मौलिक एवं सामारिक शोध
- अधोस्नातक व स्नातकोत्तर शिक्षा द्वारा मानव संसाधन विकास
- पशुधन उत्पादन एवं स्वास्थ्य तकनीकियों का प्रसार

उद्देश्य:-

- सूकर उत्पादन के क्षेत्र मे उद्यमिता विकास
- सूकर उत्पादन के क्षेत्र मे कौशल विकास
- साक्षर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अर्न्तगत:-

- सूकर प्रजाति
- चयन, खरीद और पहचान
- रिकॉर्ड तैयार करना
- पालन पोषण और प्रबंधन
- प्रजनन
- रोग नियंत्रण
- प्राथमिक चिकित्सा
- स्वच्छता
- वित्तपोषण, बीमा एवं सूकर पालन का अर्थशास्त्र इत्यादि विषय पर गहन जानकारी प्रदान की जायेगी।

वैज्ञानिक / संकाय:-

- डा0 जी0 के0 गौड़, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी एल0पी0एम0 अनुभाग
- डा0 अनुज चौहान, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी सूकर उत्पादन प्रक्षेत्र (एस.पी.एफ.)
- डा0 ए0 एम0 पावड़े, प्रधान वैज्ञानिक
- डा0 विनोद कुमार ओ. आर., वरिष्ठ वैज्ञानिक
- डा0 एस0 ई0 जाधव, वरिष्ठ वैज्ञानिक
- डा0 मुकेश सिंह, प्रधान वैज्ञानिक
- डा0 चन्द्राहास, प्रधान वैज्ञानिक
- डा0 एम0 के0 पात्रा, वैज्ञानिक
- डा0 एच0 ओ0 पाण्डे, वैज्ञानिक
- डा0 एस0के0 दीक्षित, प्रधान वैज्ञानिक
- डा0 रूपसी तिवारी, प्रधान वैज्ञानिक
- डा0 आर पी सिंह, विभागाध्यक्ष, जैविक उत्पाद विभाग

सूकर पालन

से उद्यमिता विकास

पर

लाइव / ऑनलाइन

प्रशिक्षण कार्यक्रम

13-20 जुलाई, 2020

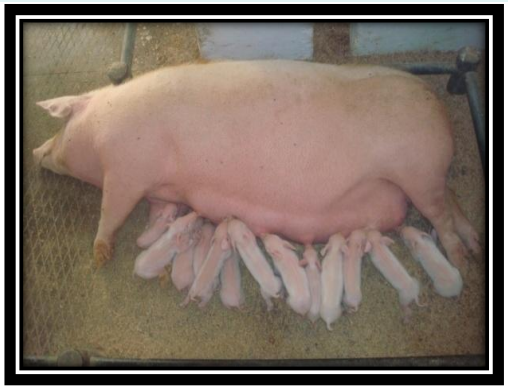

एग्री–बिजनेस इन्क्युबेशन (एबीआई) केंद्र एवम्
पशुधन उत्पादन और प्रबंधन अनुभाग
भा0कृ0अनु0प0–भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान
इज्जतनगर द्वारा आयोजित।

लैंडलीः एक संकर प्रजाति सूकर

इस प्रजाति के विकसित विविध प्रकार के सूकरो को सभी प्रकार की स्थितियो मे पाला जा सकता है। इन्हे कम खाद्य लागत के संसाधनो के साथ खिलाया जा सकता है। इनकी वृद्धि भी अच्छी रहती है और इनके बच्चो का आकार भी सामान्य रह सकता है। इसलिए इनका उपयोग घर के पिछवाडे सूकर पालन उद्योग की छोटी इकाईयॉ जिसमे लगभग 5-20 सूकरों तथा साथ ही साथ बडी वाणिज्यिक इकाईयो के रूप मे भी किया जा सकता है।

लैंडली की विशेषताये निम्न प्रकार हैं:-

- उच्च वृद्वि दर (480 ग्राम प्रतिदिन दूध छोडनें के बाद)
- कम समय मे बेचने के लिए योग्य (100 किलोग्राम – 8 माह में)
- दूध छोडने के समय पर सूकरो की संख्या 7-8
- एक साल में दो बार बच्चे देना
- उत्तर भारत मे अच्छा प्रदर्शन
- संतुलित शरीर (न झूर्रियां न ज्यादा वसा)
- समस्त प्रकार के सूकर पालको को स्वीकार्य

प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए शैक्षिक योग्यताः

कोई भी साक्षर युवा जो इसे आजीविका, स्टार्टअप, या व्यवसाय के रूप में लेना चाहता हो।

कार्यक्रम–शुल्क

प्रत्येक प्रतिभागी से रू **2800** का पंजीकरण शुल्क लिया जाएगा। जो निम्न माध्यम से स्वीकार्य होगा।

बैंक भुगतान द्वारा

खाता धारक – **I.C.A.R. Unit IVRI Izatnagar**
शाखा: **SBI, CARI Branch, Bareilly(UP)**
खाता संख्या: **10148035293**
IFSC Code: SBIN0007027

आवेदन कैसे करें

इच्छुक उम्मीदवार दिये गये लिंक के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं

https://forms.gle/AH6iKdZoc3SfpgK3A

प्रमाण पत्र प्रदान किये जाएगें

IVRI-पशु विज्ञान Incubator
Agri-Business Incubation Centre

पंजीकरण और अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करे।

कार्यक्रम समन्वयक

डा0 जी के गौड़
प्रभारी / विभागाध्यक्ष एलपीएम अनुभाग
भा0कृ0अनु0प0–भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान
इज्जतनगर –243122, बरेली (उ0प्र0)
दूरभाष / व्हाट्स–एपः **9457366190**
ईमेलःgyanendrakg@gmail.com

कार्यक्रम समन्वयक

डा0 आर पी सिंह
पी आई / एग्री–बिजनेस इन्क्युबेशन प्रोजेक्ट एंव विभागाध्यक्ष जैविक उत्पाद विभाग
भा0कृ0अनु0प0–भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान
इज्जतनगर –243122, बरेली (उ0प्र0)
दूरभाष / व्हाट्स–एपः **9412360917**
ईमेलः rabindraprasad365@gmail.com
वेबसाइटः http://www.ivri.nic.in

Scan me

Apply Online through this Link:- https://forms.gle/AH6iKdZoc3SfpqK3A

About IVRI

Established in 1889, the ICAR-Indian Veterinary Research Institute (IVRI) is one of the premier research institutions dedicated to livestock research and development of the region. Today, the institute with its deemed to be university status contributes immensely to human resource development in the discipline of veterinary sciences with skills and knowledge necessary for the challenges of the new millennium.

Mandate:

- Basic and strategic research for improvement of animal health for enhanced productivity
- Human resource development, imparting under-graduate and post graduate education
- Dissemination of livestock production and health technologies

Objectives:-

- Development of entrepreneurs through intensive pig farming
- Skill development in the field of pig production
- Employment generation for literate youth

Course Covers:-

- Selection & Procurement
- Identification & record keeping
- Feeding & Management
- Breeding
- Restraining & First Aid
- Hygiene to prevent and control diseases
- Financing, insurance & economics of pig production

faculty:-

- Dr GK Gaur, Principal Scientist & I/C LPM
- Dr Anuj Chauhan, Senior Scientist & I/C (S.P.F)
- Dr A M Pawde, Principal Scientist
- Dr Vinodh Kumar O. R., Senior Scientist
- Dr S E Jadhav, Senior Scientist
- Dr Mukesh Singh, Principal Scientist
- Dr Chandrahaas, Senior Scientist
- Dr M K Patra, Scientist
- Dr H O Pandey, Scientist
- Dr S K Dixit, Principal Scientist
- Dr Rupasi Tiwari, Principal Scientist
- Dr R P Singh, Head BP Division

Live/Online

Entrepreneurship Development Programme on Pig Production

13-20 July, 2020

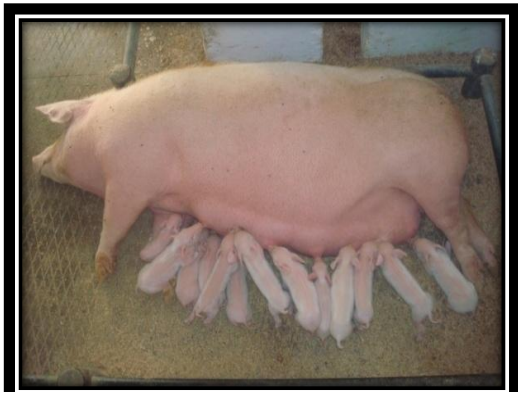

Organized by

Agri-Business Incubation (ABI) Centre

&

Livestock Production & Management Section

ICAR-Indian Veterinary Research Institute

Landly : A crossbred pig

This developed variety of pig can be reared in all type of managemental conditions and can be fed with low cost feed resources with a good growth rate and standard litter size. Therefore, this can be used by the farmers for backyard piggery, small unit piggery (5-20 pigs) farms as well as large commercial units.

Specialties: Landly is specifically characterized by

- High growth rate (480gm/day post wean)
- Less time for marketability (100 kg at 8M)
- Standard litter size at weaning (7-8)
- Two farrowing per year
- Good performance in North India
- Balanced body (neither wrinkle nor excess fat)
- Acceptable to all range of pig farmers

Who Should Attend?

Any literate youth who is interested to take pig farming as Career, Startup or Business

Programme Fee

Fee of Rs.2800/- per participants will be charged. Participants have to pay training fee through online Bank transfer as per the detail given below

Name of Beneficiary:
I.C.A.R. Unit IVRI Izatnagar
A/c No: 10148035293
IFSC Code: **SBIN0007027**
Bank Name: State Bank Of India
Branch Name CARI Branch, Bareilly(UP)

How to apply: Interested candidates apply online through this link given below:-

https://forms.gle/AH6iKdZoc3SfpgK3A

Certificate will be provided

IVRI-पशु विज्ञान Incubator
Agri-Business Incubation Centre

For Registration & more details, Please contact us

Programme Coordinator

Dr G.K. Gaur
Incharge/Head
LPM Section
ICAR-Indian Veterinary Research Institute,
Izatnagar-243122, Bareilly, Uttar Pradesh, India
Mob/Whatsapp: **9457366190**
Email: **gyanendrakg@gmail.com**

Programme Coordinator

Dr R.P. Singh
PI/Agri Business Incubation Project & Head
Division of Biological Products
ICAR-Indian Veterinary Research Institute,
Izatnagar-243122, Bareilly, Uttar Pradesh, India
Mob/Whatsapp: **9412360917**
Email:rabindraprasadsingh365@gmail.com
Website:- http://www.ivri.nic.in/

Scan me